सरस्वती वंदना और राष्ट्रीय गीत के साथ समारोह का आगाज, ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित हुआ कार्यक्रम

आईआईएम : 305 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

दीक्षांत समारोह

रांची | वरीय संवाददाता

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची का 10वां दीक्षांत समारोह पुंदाग परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में गुरुवार को आयोजित हुआ। समारोह ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित किया गया था। समारोह की शुरुआत शैक्षणिक यात्रा के साथ हुई। इसके बाद सरस्वती वंदना, दीप प्रज्ज्वलन और राष्ट्रीय गीत के साथ समारोह का आगाज हुआ।

इसमें विभिन्न कार्यक्रमों से स्नातक करने वाले 305 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। छह को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। एमबीए में 203 छात्र, एमबीए एचआरएम में 72 छात्र और कार्यकारी एमबीए की डिग्री 24 छात्रों को प्रदान की गई।

आईसीएसआई सिग्नेचर अवार्ड (2019-21) बैच के लिए एमबीए प्रोग्राम में उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए वंश गुप्ता को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार 2018-20 बैच के लिए जसमीत सिंह बिंद्रा को दिया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने टॉपरों को सम्मानित किया। इससे पहले आईआईएम के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण दिया और संस्थान के बारे में एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह में अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर, निदेशक, संकाय, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

आईआईएम के दीक्षांत समारोह में गुरुवार को पदक विजेताओं के साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, अन्य अतिथिगण व विद्यार्थी।

कोरोना जैसी परिस्थिति में यह उत्कृष्ट प्रदर्शन : प्रो. शैलेंद्र

आईआईएम के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह ने सफल छात्रों को बधाई दी। कहा, कोरोना में संस्थान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतिकूल स्थिति के दौरान कठोर समायोजन किया गया है। कहा कि हमने एम्स देवघर और ईडीआईआई अहमदाबाद से विभिन्न सहयोगों के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। निदेशक ने रेडिक्स, टेडएक्स, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, सतर्कता जागरुकता दिवस, एक भारत श्रेष्ठ भारत, राष्ट्रीय एकता दिवस, फिट इंडिया मूवमेंट और जल आंदोलन जैसे कार्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उल्लेख किया कि आईआईएम रांची ने प्रधानमंत्री वन धन विकास योजना, उन्नत भारत अभियान और हर एक फीट वन जैसी कई अन्य योजनाओं को आगे बढ़ाने की पहल की है।

समाज को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने में योगदान दें : अर्जुन मुंडा

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने दीक्षांत समारोह में सभी सफल विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर ढेरों बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आपलोग कल के बिजनेस लीडर्स हैं। आप नवीन विचारों को सशक्त बनाने के लिए अपने उत्साह का उपयोग करें और समाज को विकास के रास्ते पर ले जाने में पूरा योगदान भी दें। यही विद्यार्थियों का कर्तव्य भी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकारी संस्था विद्यार्थियों के कल्याण को बढ़ावा देने के लिए उन्हें एक मजबूत मंच प्रदान करेगी। दीक्षांत समारोह में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के हर क्षेत्र में अपनी बुद्धि और शैक्षिक सुविधाएं प्रदान करने का सपना देखते हैं और कामना करते हैं कि यह विरासत आने वाले वर्षों में आगे बढ़े। इसके लिए उन्होंने युवाओं से आगे आने की अपील भी की।

इन्हें मिली डिग्री

एमबीए (2019-21 बैच)

वंश गुप्ता - प्रथम स्थान (बीओजी अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र)
विवेक घोष - दूसरा स्थान (निदेशक पदक और योग्यता प्रमाण पत्र)
सिद्धार्थ मल्होत्रा- तीसरा स्थान (कार्यक्रम अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र)
आरुषी - चौथा स्थान (पुस्तक पुरस्कार विजेता)
हिमांशु वर्मा- पांचवां स्थान (पुस्तक पुरस्कार विजेता)

एमबीए-एचआरएम (2019-21 बैच)

शिवांशी सिंगला - प्रथम स्थान (बीओजी अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र)
मेबिन डोमिनिक - दूसरा स्थान (निदेशक पदक और योग्यता प्रमाण पत्र)
तान्या चरा - तृतीय स्थान (कार्यक्रम अध्यक्ष पदक व योग्यता प्रमाण पत्र)
महकी - चौथा स्थान (पुस्तक पुरस्कार विजेता)
सुभिया - पांचवां स्थान (पुस्तक पुरस्कार विजेता)

कार्यकारी एमबीए (2019-21 बैच)

रजनीश कुमार - प्रथम स्थान (बीओजी अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाण पत्र)
जय कृष्ण श्रॉफ - दूसरा स्थान (निदेशक पदक और योग्यता प्रमाण पत्र)
सचिन देव कुमार - तृतीय स्थान (कार्यक्रम अध्यक्ष पदक एवं योग्यता प्रमाण पत्र)
सिद्धार्थ शिवम - चौथा स्थान (पुस्तक पुरस्कार विजेता)

“ गोल्ड मिले, इसलिए बहुत मेहनत नहीं की थी। क्लास में हमेशा सीखने की कोशिश की। कोरोना से पढ़ाई में थोड़ी बाधा हुई, लेकिन पढ़ाई का सिलसिला जारी रहा। - शिवाक्षी सिंघल

“ आईआईएम ऐसी संस्था है, जहां आपके कौशल को बेहतर ढंग से तराशा जाता है। हमारे कार्यकाल में संस्थान ने काफी नई चीजों से हमें अवगत कराया। - जसमीत सिंह बिंद्रा

आईआईएम के दीक्षांत समारोह में गुरुवार पदक के साथ विजेता विद्यार्थी।